उप राष्ट्रपति भवन में बनेगा मप्र की औषधीय वनस्पतियों का हर्बल पार्क

डिंडौरी में सिकल सेल एनीमिया संबंधी जागरूकता तथा रोगियों के लिए परामर्श शिविर में शामिल हुए उपराष्ट्रपति

पीपुल्स संवाददाता ● डिंडोरी
मो.नं. 9407064841

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि उप राष्ट्रपति भवन में हर्बल पार्क की स्थापना में मप्र का विशेष योगदान होगा। डिंडौरी में जैव विविधिता एवं औषधीय वनस्पति की उपलब्धता को देखते हुए यहां सिकल सेल एनीमिया सहित अन्य बीमारियों के उपचार पर रिसर्च कार्य को तेजी से बढ़ाया जाना चाहिए। जिससे देश और विदेश में डिंडौरी का नाम प्रसिद्ध हो।

उप राष्ट्रपति धनखड़ ने यह बात बुधवार को डिंडौरी में विश्व सिकल सेल दिवस-2024 के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होते हुए कही। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते भी शामिल हुए।

डिण्डौरी में विश्व सिकल सेल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में आदिवासी नृत्य के दौरान उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पैर भी थिरक उठे।

सिकल सेल वाहक युवक-युवती आपस में शादी नहीं करें

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने प्रदेश के जनप्रतिनिधियों और युवाओं को संदेश दिया कि जो युवा शादी करने योग्य हैं वे सब जैनेटिक कार्ड मिलाने की परंपरा की शुरूआत करें। अगर ऐसे युवक और युवती हैं जो सिकल सेल के वाहक हैं तो वे आपस में शादी नहीं करें। राज्यपाल ने कहा कि सिकलसेल को रोकने के लिए प्रदेश की 89 आदिवासी ब्लॉक जहां पेसा एक्ट लागू है, वहां एक प्रस्ताव पास करें कि शादी के पहले जैनेटिक कार्ड मिलाए जाएं।

राज्य सरकार जनजातीय क्षेत्र में विकास के लिए प्रतिबद्ध है

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार सिकल सेल उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए प्रदेश के प्रभावित क्षेत्रों में जागरूकता के साथ-साथ स्क्रीनिंग, उपचार और दवा वितरण आदि की व्यापक व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा प्रदेश के रोम-रोम में आदिवासी संस्कृति और नस-नस में मां नर्मदा समायी हैं। गोंडवाना वह क्षेत्र है जहां अकबर को 3-3 बार हराया गया। सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए प्रदेश सरकार सतत रूप से कार्य कर रही है।